सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 288 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 26 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, यह एक मार्गदर्शक है जो समाज को दिशा देता है।
-डॉ. भीमराव अंबेडकर

क्रुणाल और सुंदर पर हुई नोटों की... 7 | उपचुनाव के नतीजों से लाभ... 3 | 'हाईकोर्ट की निगरानी में... 2

योगी सरकार के सारे दावे ध्वस्त, आमजन ग्रस्त !

» कानून से लेकर स्वास्थ्य व्यवस्था तक पर उठे सवाल

» विपक्ष का आरोप, राज्य में बढ़े हिंसा व अपराध के मामले

» सपा समेत पूरे विपक्ष ने भाजपा को घेरा

» अखिलेश बोले- बीजेपी नहीं चाहती सुधरे प्रदेश का माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा की योगी सरकार ने छल-प्रपंच के दम पर यूपी के उपचुनाव को तो जीत लिया है। पर मतदान वाले दिन व परिणाम के बाद राज्य में हिंसा भड़की उससे ऐसा लगने लगा है प्रदेश की कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी। सबसे ज्यादा सवाल तो संभल में हुए हिंसा पर उठ रहे हैं जिसमे पांच बेगुनाहों की प्रशासन की लापरवाही से मौत हो गई।

कानून व्यवस्था ही नहीं कई मेडिकल कॉलेज खोलने का दावा करने वाली भाजपा सरकार में राजधानी लखनऊ में एक दिल के मरीज की जान इसलिए चली गई क्योकि अस्पताल में बेड नहीं मिला। सबसे शर्मसार तो यह रहा कि मरीज मरने से पहले डॉक्टरों से रो-रो कर जान की भीख मांग रहा था। उधर इस हिंसा को लेकर विपक्ष से लेकर सामजिक संगठन भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। सपा ने आरोप लगाया है बीजेपी कार्यकर्ता की भड़काऊ बयानबाजी से संभल का माहौल खराब हो गया। सपा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि अगर कोई गलती है तो वह सरकार की है। जब सर्वे हो ही चुका था तो दोबारा क्यों करें? और अगर सर्वे दोबारा भी कराना था तो मिल बैठ कर चर्चा कर सकते थे।

संभल जाने से रोका गया लेकिन मैं जाऊंगा : अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि अगर कोई गलती है तो वह सरकार की है। जब सर्वे हो ही चुका था तो दोबारा क्यों करें? और अगर सर्वे दोबारा भी कराना था तो मिल बैठ कर चर्चा कर सकते थे। संभल की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासत तेज है। इसी को लेकर समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम ऐसे समय में जश्न मना रहे हैं जब संभल में सरकार ने जिस तरह का काम किया है, उसने कई लोगों की जान ले ली है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि दुःख के साये में जश्न कैसे मनाया जा सकता है? वहां के सांसद, वहां के विधायक और उनके बेटे पर झूठे मुकदमे दर्ज किये जा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि वहां कोई नहीं जा सकता। दोनों सदनों के नेता सम्भल आना चाहते हैं लेकिन उन्हें जाने की अनुमति नहीं है। हमारे सभी सांसद संभल जाना चाहते हैं लेकिन हमें इजाजत नहीं है। संभल की विवादित जामा मस्जिद परिसर में रविवार को सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के तीसरे दिन मंगलवार को हालात में सुधार देखने को मिला और स्कूल भी खुले।

कानून नहीं मानती भाजपा : पांडेय

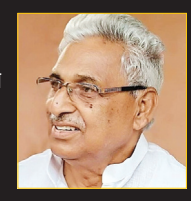

राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने संभल हिंसा को लेकर सरकार को घेरा। सपा के डेलिगेशन के संभल जाने पर भी अपनी बात कही। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि संभल हिंसा पर डीजीपी ने निष्पक्ष जांच होने का भरोसा दिया है। हम लोग आज मौके पर जाने वाले थे। लेकिन, हमें तीन दिन बाद जाने के लिए बोला गया है। कहा कि प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट का पालन नहीं हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरे पर लिया। कहा कि घटना के दिन जियाउर्हमान संभल में नहीं थे। भाजपा सरकार संविधान को नहीं मानती है। कहा कि पुलिस अपने बचाव के लिए कुछ भी बयान दे रही है। इस सरकार को लोकतंत्र में भरोसा नहीं है।

स्थिति सामान्य, स्कूल खुले

आज सुबह भी स्थिति सामान्य नजर आ रही है। आज स्कूल भी खुले हैं और सुबह सुबह रोजमर्रा की जरूरतों की दुकान खुली नजर आ रही है, लेकिन जिले में इंटरनेट सेवा आज भी बंद है जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी महसूस हो रही है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ड्रोन, सीसीटीवी और मोबाइल के वीडियो खंगाल रही है तथा उपद्रव करने वालों को चिह्नित कर रही है, ताकि उन्हें पकड़ा जा सके। अब तक इस मामले में सात प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है जिसमें संभल के सांसद जिया उर रहमान वर्क और संभल विधायक के पुत्र सुहैल इकबाल सहित 2750 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज : द्रौपदी मुर्मू

» संसद के संयुक्त सत्र में बोलीं राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह संयुक्त सत्र संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित हुआ। मंगलवार को देश में संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का भी जारी किया। साथ ही राष्ट्रपति ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया।

संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का विमोचन भी किया। संविधान दिवस पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन रहे हैं।

संविधान जीने का तरीका : खन्ना

संविधान दिवस के मौके पर मंगलवार को भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट के बार एसोसिएशन में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संविधान की उपलब्धियां गिनाते हुए आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र में इसकी अहमियत का उल्लेख किया। सीजेआई ने संविधान को बदलाव वाला दृष्टिकोण और जीवन जीने का तरीका करार दिया। सीजेआई ने कहा, आजादी के बाद से ही भारत की यात्रा बदलावों भरी रही है। यह देश विभाजन के खौफ, कम पढ़ी लिखी आबादी, गरीबी, भुखमरी और लोकतांत्रिक प्रणाली की कमी से आज एक परिपक्व और जीवंत लोकतंत्र बनकर उभरा है, जो कि खुद पर भरोसा करता है और भू-राजनीतिक नेता है।

महाराष्ट्र में थम नहीं रही सीएम के चेहरे पर रार!

» एकनाथ शिंदे ने दिया सीएम पद से इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले सीएम को लेकर सस्पेंस बरकार है। अभी तक किसी नेता के नाम पर मुहर नहीं लगी है। इस बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, अगले सीएम के चुनाव तक एकनाथ शिंदे बतौर कार्यवाहक सीएम पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल आज ही समाप्त हो रहा है। सूत्रों के अनुसार महायुति में भाजपा को सीएम पद देने पर सहमति बन गई है फडणवीस को यह जिम्मेदारी मिल सकती है।

30 नवंबर को हो सकता है मुख्यमंत्री के नाम का एलान

वहीं शिवसेना विधायक और पार्टी प्रवक्ता संजय पांडुरंग शिरसाट ने मीडिया से बात करते हुए दावा किया है कि राज्य के नए सीएम का एलान 30 नवंबर यानी शनिवार को किया जाएगा। पहले ऐसी खबरें आ रहीं थी कि मंगलवार शाम तक ही सीएम के नाम का एलान हो सकता है, लेकिन अब शिवसेना विधायक के बयान से साफ है कि महायुति में सीएम पद पर दावे को लेकर खींचतान जारी है।

'हाईकोर्ट की निगरानी में हो संभल घटना की जांच'

सांसद संजय सिंह ने कहा, सरकार का पूरा ध्यान जनता की भलाई की बजाय धार्मिक ध्रुवीकरण पर है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने संभल में हुई हिंसा को प्रायोजित हिंसा करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह हिंसा भाजपा के उसी खेल का हिस्सा है, जिसमें प्रदेश के नौजवानों को धार्मिक आधार पर आपस में लड़ाया जा रहा है, जबकि पार्टी के बड़े नेता और उनके परिजन करोड़ों के धंधे कर रहे हैं। संजय सिंह ने बयान जारी कर कहा कि संभल की हिंसा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश सरकार का पूरा ध्यान जनता की भलाई की बजाय धार्मिक ध्रुवीकरण पर है।

प्रदेश सरकार सूबे की शांति और सुरक्षा से ज्यादा अपनी सत्ता बचाने में व्यस्त है। उन्होंने कहा किसंभल में जो घटना हुई है, वह केवल एक जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़े साजिश का हिस्सा है। संजय सिंह ने संभल घटना की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में कराने की मांग की है। साथ ही प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस तरह की विभाजनकारी राजनीति का विरोध करें और प्रदेश में शांति और विकास की दिशा में एकजुट होकर काम करें।

सरकार द्वारा प्रायोजित है दंगा : वंशराज दुबे

आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने संभल हिंसा को भारतीय जनता पार्टी और प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित दंगा बताया है। वंशराज दुबे ने कहा कि संभल में जो हिंसक घटना हुई है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। भाजपा प्रदेश में तनाव और हिंसा पैदा करके अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब भाजपा ने अपनी राजनीतिक फायदों के लिए इस तरह की हिंसा को बढ़ावा दिया हो। इससे पहले भी वह ऐसा कर चुकी है। भाजपा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के नौजवानों को बेरोजगारी और भटकाव के रास्ते पर धकेलना है।

सुप्रीम कोर्ट कराए हिंसा की जांच : डॉ. गिरीश

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आरोप लगाया है कि विधानसभा और उपचुनावों में अपने पक्ष में परिणाम आने से उत्साहित भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए संभल में उकसावे की कार्यवाही की। इस घटना के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस घटना की जांच कराकर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश ने कहा कि स्थानीय अदालत में 19 नवंबर को वाद दाखिल हुआ, बिना दूसरे पक्ष को सुने उसी दिन कमीशन नियुक्त कर दिया गया। यह जल्दबा?ी किन नियमों के तहत की गई। भाकपा के राज्य सचिव अरविन्दराज स्वरूप ने कहा कि प्रदेश सरकार की मशीनरी से निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होने मांग की कि सर्वोच्च न्यायालय जांच कराए। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल बदला जाए और गहन जांच कर उन्हें सजा दिलाई जाए।

सरकार सच छुपा रही : भाकपा माले

भाकपा (माले) ने संभल में हुई हिंसा को प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित बताते हुए कहा है कि सरकार सच छुपा रही है। रविवार को संभल की शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे की शुरुआत में भड़काऊ नारे लगाए गए। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि लड़कों की मौत पुलिस की गोली से हुई है। पार्टी के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने बयान जारी कर कहा कि मुस्लिमों सहित उनके उपासना स्थलों को एक-एक कर निशाना बनाया जा रहा है। माले नेता ने कहा कि प्रशासन की उकसावे वाली कार्रवाई से स्थिति संभालने के बजाय बिग? रही है। उन्होंने इस मामले में शीर्ष अदालत को तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। साथ ही डीएम, एसपी सहित मंडलायुक्त को भी जांच के दायरे में लाने की मांग की है।

संभल हिंसा और मौतों के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार: मोहम्मद शोएब

लखनऊ। संभल में हुई हिंसा और तीन नागरिकों के लिए सामाजिक संगठनों ने प्रदेश की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पूरी घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच की मांग की। रिहाई मंच के अध्यक्ष मोहम्मद शोएब ने ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद हो रहे सर्वे के दौरान हुई हिंसा और पुलिस की भूमिका पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर आनन फानन में की गई कार्रवाई कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि जिद और बदले की मानसिकता के चलते संभल में हिंसा हुई, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि शुरू हो रहे संसद सत्र में अदाडी समूह रिश्वत मामले को लेकर उठने वाले सवालों को दबाने के लिए संभल जैसी घटनाओं की साजिश की गई है। उन्होंने सवाल किया कि 19 नवंबर 2024 को कोर्ट में दावा पेश करने के चंद घंटों बाद सर्वे का आदेश और उसी दिन सर्वे, सर्वे टीम के साथ पुलिस की घेराबंदी में नारेबाजी का वीडियो किसी सर्वे टीम का नहीं बल्कि राजनीतिक समर्थकों का हुजूम लग रहा था।

प्रशासन का आपराधिक षड्यंत्र : दारा पुरी

ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसआर दारापुरी ने संभल में पुलिस की कार्यवाही और 5 लोगों की मौत की निंदा की। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि पूरी घटना सरकार के आपराधिक षडयंत्र का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को बताना चाहिए कि जब न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को ही मस्जिद में सर्वे का काम हो चुका था तो 24 नवंबर को दोबारा सर्वे क्यों शुरू किया गया, पुलिस एक बड़ा हुजूम लेकर मस्जिद में क्यों पहुंची ?

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव: सुक्खू

» हिमाचल के सीएम ने महाराष्ट्र में भाजपा की जीत पर की टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है।

सुक्खू ने कहा, ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा कि किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क(सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है। कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्र दी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं।

65 फीसदी आरक्षण, नौकरी व डोमिसाइल पर चर्चा करे सरकार: तेजस्वी

» राजद विधायकों के साथ पूर्व डिप्टी सीएम ने किया विस परिसर में प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र आज दूसरा दिन है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव विधानसभा परिसर पहुंचे और राजद के विधायकों के साथ हंगामा करने लगे। तेजस्वी यादव और उनके विधायक 65 फीसदी आरक्षण, नौकरी, डोमिसाइल, महंगाई समेत कई मुद्दों को लेकर नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इधर, विधानसभा के बाहर माले विधायक प्रदर्शन कर रहे हैं।

सीएम नीतीश कुमार दूसरे दरवाजे से विधानसभा के अंदर पहुंचे हैं। वहीं सदन में आज बिहार सरकार दो बिल पेश करने जा रही है। माले विधायक सत्येंद्र यादव ने कहा कि बिहार के अंदर जो आउटसोर्सिंग कंपनियां हैं वह कंपनियां आरक्षण को मानने के लिए तैयार नहीं है। एससी एसटी और और पिछड़ा एवं अति पिछड़ा के लिए आरक्षण नहीं है। हम यह चाहते हैं कि जो आरक्षण 65 प्रतिशत किया गया था उसको नौवीं अनुसूची में शामिल करना चाहिए. स्मार्ट मीटर को लेकर कहा कि गांव में हिंसक झड़प हो रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अडानी, अंबानी के रखैल बने हुए हैं।

यह दोनों जनता की आवाज को नहीं सुन रहे हैं इसलिए हम लोग आज विरोध जता रहे हैं। इसलिए आज सदन के अंदर हम लोग स्मार्ट मीटर का विरोध करेंगे। सरकार को कांटेक्ट रद्द करना पड़ेगा। आज अदानी जहां भी जाता है मोटी रकम चंदा देता है, कमीशन देकर कांटेक्ट प्राप्त करता है। आज मोदी और नीतीश कुमार मोटी रकम लेकर अदानी को कांटेक्ट दिया। बिहार की जनता को स्मार्ट मीटर के नाम पर लूटी जा रही है। यह कंपनियां बिहार की जनता से मोटी रकम रसूल कर रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अडानी के दान को स्वीकार नहीं करेंगे : रेवंत रेड्डी

» तेलंगाना सरकार कौशल विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ लेने वाली थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार यहां स्थापित की जा रही 'यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी' के लिए अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी द्वारा दिए जाने वाले 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा से अनावश्यक चर्चा को बढ़ावा मिला कि यदि दान स्वीकार कर लिया गया तो यह राज्य सरकार या मुख्यमंत्री के पक्ष में प्रतीत हो सकता है।

उन्होंने कहा कि अभी तक तेलंगाना सरकार ने अडनी समूह सहित किसी भी संगठन से अपने खाते में एक भी रुपया स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है।'' उन्होंने कहा, '' पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।'' रेड्डी ने बताया कि पत्र में अदाणी फाउंडेशन से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि वह विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये हस्तांतरित न करें।

उपचुनाव के नतीजों से लाभ या घाव!

एनडीए व इंडिया गठबंधन में बराबर बंटी सीटें

- बंगाल में टीएमसी, पंजाब में आप का जलवा
- कर्नाटक-केरल में कांग्रेस की जय-जय
- यूपी-राजस्थान में भाजपा का बढ़ा दम
- बदले अंदाज में होगा बिहार विधानमंडल का सत्र
- भाजपा-जदयू की ताकत बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र व झारखंड समेत 13 राज्यों के लगभग 48 सीटों पर उपचुनाव भी हुए। इन चुनावों में ज्यादातर सीटें सत्तारूढ़ दलों के पास ही गए। हालांकि इन उपचुनावों के नतीजों ने कुछ नेताओं को लाभ दिया तो कुछ को घाव। परिणाम में जहां यूपी में भाजपा, बंगाल में टीएमएसी, पंजाब में आप व केरल, कर्नाटक में कांग्रेस ने जीत के बाद अपनी ताकत बढ़ाई हैं वहीं इसके बाद पूरे देश में भी इंडिया व एनडीए गठबंधन में वार-पलटवार शुरू हो गया है। विपक्ष ने जहां भाजपा उपचुनावों में फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया है तो भाजपा ने कहा है कि जब विपक्ष हारता है तो ईवीएम को कोसने लगता है। उधर जहां संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया जो पहले दिन हंगामेदार हुआ और एक दिन के लिए स्थगित हो गया अब संसद सत्र बुधवार को होगा। वहीं कई राज्यों भी सत्र शुरू हो गए। यूपी में जनवरी विधान सभा सत्र प्रारंभ हो जाएंगे। सपा ने योगी सरकार को घेरने के लिए तैयारी कर लिया है। कुल मिलाकर इस उपचुनाव से किसी को लाभ मिला तो कुछ को घाव।

बिहार विधानमंडल का सत्र आज, 25 नवम्बर से शुरू हो रहा है। शुक्रवार 29 नवम्बर तक यह सत्र चलेगा। शनिवार 23 नवंबर की मतगणना के बाद बिहार विधानसभा के लिए चुनकर आए नए चार विधायक सोमवार से सत्ता के खेमे में अपनी भागीदारी शुरू करेंगे। विधानसभा में इन चार नए विधायकों के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत और बढ़ जाएगी। महागठबंधन सरकार गिरने और 2020 के जनादेश के आधार पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकारी की वापसी के बाद 12 फरवरी को फ्लोर टेस्ट हुआ था। इससे पहले राजग की ताकत ठीकठाक थी, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल के खेला होगा वाली बात उलट गई और सत्ता की ताकत उस दिन ज्यादा बढ़ गई। इसलिए, पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले यह जानना बेहद रोचक है कि 2020 से अबतक क्या-कुछ हुआ कि जितना कागज पर राजग मजबूत है, उससे ज्यादा वास्तव में। फिलहाल तो यह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सत्ता का मनोबल मजबूत करने वाली स्थिति है।बिहार विधानसभा में मौजूदा विधायकों की दलगत संख्या 2020 चुनाव परिणाम के बाद से कई बार बदली। कभी विधायक के निधन से तो कभी किसी की विधायकी जाने के कारण और फिर निर्वाचित विधायक के सांसद बन जाने के कारण। भाजपा ने 2020 के चुनाव में 74 सीटें जीती थीं। फिर उसने उप चुनाव में राजद से कुढ़नी विधानसभा सीट छीन ली। तब भी भाजपा की संख्या 75 होती है, लेकिन उसने विकासशील इंसान पार्टी के तीनों विधायकों को अपनी पार्टी में मिला लिया। तीन ही विधायक थे और एक साथ भाजपा में आ गए, इसलिए दल-बदल कानून लागू नहीं हुआ। इससे भाजपा के विधायकों की संख्या 78 थी। अब उपचुनाव 2024 में दो सीटें भाजपा ने अपने खाते में की। रामगढ़ सीट राजद और तरारी भाकपा-माले के पास थी। दोनों के विधायक सांसद बन चुके हैं। इस तरह भाजपा अब कागज पर 80 विधायकों वाली पार्टी है।जदयू ने 2020 के विधानसभा चुनाव में 43 सीटें जीती थीं। इसके बाद जदयू ने बहुजन समाज पार्टी के एक और लोजपा के एक विधायक को अपने साथ कर लिया। इस तरह उसके पास 45 विधायक हो गए थे। इस साल फरवरी में फ्लोर टेस्ट के कुछ समय बाद लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए रूपौली की जदयू विधायक बीमा भारती ने इस्तीफा देकर राजद का दामन थाम लिया। उससे जदयू के विधायकों की संख्या 44 हो गई थी। बीमार भारती की छोड़ी रूपौली सीट जदयू के पास नहीं रही। वहां से निर्दलीय शंकर सिंह जीते, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आस्था जताने के बाद शांत हैं। वह जदयू में नहीं, लेकिन सरकार के साथ हैं। अब उप चुनाव 2024 में बेलागंज सीट राजद से छीनकर जदयू ने अपनी संख्या 45 कर ली है। राजद ने 2020 के विधानसभा चुनाव में 75 सीटों पर जीत दर्ज की थी। उसमें से वह अपनी कुढ़नी सीट उप चुनाव में हार गई।

छोटे दलों का भी जलवा

जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर के चार विधायक जीते थे। उनमें से एक वह खुद सांसद बन गए, हालांकि इमामगंज की उनकी विधानसभा सीट बहू दीपा मांझी ने वापस जीत ली। इस तरह विधानसभा में हम-से के चार विधायक ही अब भी हैं।असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी के चार विधायक जीते थे, जिनमें से तीन राजद के साथ जाने के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष इकलौते एआईएमआईएम विधायक के रूप में विधानसभा में हैं। मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी के चार विधायक 2020 के चुनाव में जीते थे। एक का निधन होने से खाली हुई सीट राजद के खाते में चली गई और शेष तीन भाजपा के साथ हो लिए। इस तरह इस ङ्खढ्ढक्ककी सदस्यता शून्य हो गई है।विधानसभा चुनाव 2020 में कांग्रेस के 19 विधायक जीते थे, कागज पर आज भी उतने ही हैं। सीपीआई-एम के दो और सीपीआई के दो विधायक जैसे थे, अब भी हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में एक निर्दलीय जीते थे- सुमित सिंह। फिर रूपौली के उप चुनाव में बीमा भारती की सीट निर्दलीय शंकर सिंह ने हासिल कर ली। यह दोनों निर्दलीय हैं। इनमें सुमित सिंह सरकार के साथ होकर मंत्री हैं, जबकि शंकर सिंह बाहर से साथ हैं।

राजद को लगा झटका

राजद ने असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी के पांच में से चार विधायकों को अपने साथ कर लिया। इस तरह राजद की संख्या 79 थी। अब उपचुनाव 2024 में दो सीटें हारने से राजद विधायकों की कागज पर संख्या 77 रह गई। यह दो सीटें बेलागंज और रामगढ़ विधायक के सांसद बनने से खाली हुई थी।भाकपा माले ने 2020 के विधानसभा चुनाव में 12 सीटें जीती थीं। उनमें से एक मनोज मंजिल की सदस्यता रद्द की गई थी। उनकी सीट के लिए उप चुनाव हुआ तो शिव प्रकाश रंजन ने भाकपा-माले की यह सीट कायम रखी। यह संख्या 12 ही थी, लेकिन अब तरारी सीट के विधायक सुदामा प्रसाद जब सांसद बने तो उनकी छोड़ी सीट को भाजपा ने अपने खाते में कर लिया। इस तरह भाकपा-माले की संख्या 11 हो गई है।

अल्पसंख्यक नहीं देते नीतीश कुमार को वोट : ललन सिंह

अल्पसंख्यक समाज के लोग नीतीश कुमार को नहीं देते हैं वोट। कुछ लोग कहते हैं कि पहले नहीं देते थे अब दे रहे हैं। सभी जानते हैं कि नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के लिए क्या-क्या नहीं किया। यह जानते हुए कि वोट नहीं देते हैं फिर भी नीतीश कुमार उनके लिए काम करते हैं। उक्त बातें केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुजफ्फरपुर में आयोजित जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान बोले। ललन सिन घ ने कहा कि बिहार के बारे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोचते हैं। नीतीश कुमार सब के बारे में सोचते हैं न कि किसी एक समुदाय विशेष के बारे में। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह लंगट सिंह कॉलेज में आयोजित जनता दल युनाइटेड के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे थे। ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की

जब से बिहार में सरकार बनी है तब से अल्पसंख्यक समाज के लोगों के लिए कितना काम किए है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लालू यादव और राबड़ी देवी के राज में क्या स्थिति थी आप लोग ही यह भला किसी से छिपा हुआ है क्या? आज देख लीजिए कि किस प्रकार से मदरसा से लेकर उर्दू शिक्षक और बुनियादी ढांचों में बदलाव शिक्षण संस्थान और अन्य सुविधाओं को दिया गया है। नीतीश कुमार अच्छी तरह जानते हैं कि कौन हमे वोट देता है और कौन नहीं देता है उसके बाद भी वह बिहार के बारे में सोचते हैं और करते हैं।

पश्चिम बंगाल में एक सीट के लिए तरसी बीजेपी

ताकत के शानदार प्रदर्शन में, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में क्लीन स्वीप हासिल कर लिया है। टीएमसी ने अलीपुरद्वार जिले के महत्वपूर्ण मदारीहाट निर्वाचन क्षेत्र सहित सभी छह सीटों पर जीत हासिल की है। यह जीत टीएमसी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि मदारीहाट भाजपा का गढ़ रहा है, जहां भाजपा ने 2021 के चुनावों में 29,000 वोटों की बढ़त हासिल की थी। यह परिणाम परंपरागत रूप से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में भाग्य के नाटकीय उलटफेर का प्रतीक है। मदारीहाट में उपचुनाव तब शुरू हुआ जब अलीपुरद्वार के वर्तमान सांसद और भाजपा के मनोज तिग्गा ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए विधानसभा सीट खाली कर दी। क्षेत्र में भाजपा के गढ़ के बावजूद, टीएमसी के जयप्रकाश टोप्पो ने मदारीहाट में 28,000 से अधिक

वोटों से जीत हासिल की, जिससे उत्तर बंगाल में पार्टी का प्रभाव और मजबूत हो गया। अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में, टीएमसी ने अपना प्रभुत्व जारी रखा। संगीता रॉय ने सीताई सीट पर 1.3 लाख वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की, उन्होंने बीजेपी के दीपक कुमार रे के खिलाफ 1.6 लाख से अधिक वोट हासिल किए, जो केवल 35,000 वोट ही हासिल कर पाए। नैहाटी में, टीएमसी के सनत डे ने बीजेपी के रूपक मित्रा को लगभग 50,000 वोटों से हराया, जबकि शेख रबीउल इस्लाम ने हरोआ में जीत हासिल की, उन्होंने एआईएसएफ के पियारुल इस्लाम को 1.3 लाख से अधिक वोटों से हराया। मेदिनीपुर में, टीएमसी के सुजॉय हाजरा ने भाजपा के सुभाजीत रॉय पर लगभग 34,000 वोटों से जीत का दावा किया। टीएमसी के फाल्गुनी सिंघाबाबू भी तालडांगरा में विजयी हुए, उन्होंने भाजपा के अनन्या रॉय चक्रवर्ती के खिलाफ 34,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की। प्रचंड जीत से टीएमसी कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है, जो पार्टी की सफलता का जश्न मनाने के लिए दक्षिण कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के बाहर एकत्र हुए। यह समारोह पार्टी के बढ़ते प्रभाव और राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

राजद के खेमे से चार निकले, खाते से नहीं

243 विधायकों का कागजी हिसाब जानने के बाद अब यह जानना रोचक है कि 12 फरवरी को नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को विश्वास मत में हराने की तैयारी करने वाले महागठबंधन को जोर का झटका लगा था। फ्लोर टेस्ट के समय तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के साथ खेला की आस लगाए बैठे थे, लेकिन गेम उलटा पड़ गया था। राजद के तीन विधायक चेतन आनंद, प्रह्लाद यादव व नीलम देवी जदयू, जबकि एक एमएलए संगीता कुमारी भाजपा के साथ बैठ गए। राजद ने अपने चारों विधायकों को कागज पर अपने साथ देखना पसंद किया।विधायकी खत्म करने को लेकर प्रयास विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी नहीं किया।

कांग्रेस के खेमे से दो निकले, अबतक हटे नहीं

राजद के इन चार विधायकों के अलावा कांग्रेस के भी दो ने पाला बदला था। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में कांग्रेस के 19 विधायक चुनकर आए थे। इनमें से दो विधायकों सिद्धार्थ सौरव और मुरारी गौतम ने फ्लोर टेस्ट के समय सत्ता के साथ बैठ गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव से इन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की थी, हालांकि लगभग नौ महीने बाद भी स्थिति वही है। मतलब, वह कागज पर कांग्रेसी हैं और मन से सत्ता के साथ माने जा रहे हैं।

ललन सिंह को बीजेपी का साथ

ललन सिंह के अल्पसंख्यक वाले बयान पर अपनी सहमती का मुहर लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि केंद्रीय मंत्री और मुंगेर के सांसद ललन सिंह ने जो कहा है वह बिलकुल ठीक ही कहा है कि अल्पसंख्यकों के लिए जितना काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है उतना कोई नहीं किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार की चिंता की है, लेकिन इसके बाद भी ना तो वह एनडीए को वोट करते हैं, ना जदयू को वोट करते हैं और न भाजपा से जुड़ते हैं। अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि एनडीए के सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए काम किया है, उनके विकास के लिए काम किया है, उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और तरक्की के लिए काम किया है इसके बाद वह एनडीए के साथ नहीं जुड़ते हैं। अरविंद सिंह ने राजद पर हमला करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक उनके साथ जुड़ते हैं जो उनको वोट के रूप में इस्तेमाल करते हैं, उनको ल?ाने और बहकाने का काम करते हैं, जिसने उनको अशिक्षित करने का काम किया उनके साथ जुड़े रहे लेकिन अगर वह एनडीए के साथ जुड़ते तो उनका और अधिक विकास होता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबका साथ सबका विकास करने वाले हैं। उन्होंने अल्पसंख्यकों का हमेशा कल्याण किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गेमचेंजर साबित हो रही हैं महिलाएं!

गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

दो राज्यों के चुनावों के नतीजों में महिलाओं का वोट अहम रहा है। झारखंड में सोरेन सरकार व महाराष्ट्र में महायुति सकार की पुन: वापसी में महिलाओं से संबंधित योजनाएं गेमचेंजर साबित हुई हैं। झारखंड में मैया योजना व महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना की वजह से बड़ी संख्या में महिलाएं सत्तारुढ़ पार्टी से जुड़ गईं इस तरह विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफ के काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। वहीं झारखंड में भी झामुमो के साथ महिलाएं जुड़ी।

इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही। मध्यप्रदेश से निकली लाडली बहना महाराष्ट्र तक आते आते माझी लाडकी बहना योजना ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल ही बदल गया। यही हाल झारखंड में रहा जहां हेमंत सोरेन ने मैया योजना से राज्य की महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपयो डालकर उनको अपने तरफ कर लिया। हालांकि दोनो जगह योजना शुरु करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वह जुड़ गईं। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ है सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी। अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुटे हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसकों दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महायुति ने महाराष्ट्र में जनादेश को कब्जाया

डॉ. सुनीलम

भाजपा ने देश में तथा महायुति ने महाराष्ट्र में विधायिका पर कब्जा करने के लिए कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का दुरुपयोग किया है। लोकतंत्र के चारों स्तंभों को जन आंदोलन के माध्यम से ही दुरुस्त किया जा सकता है। लोकतंत्र और संविधान बचाने की जो चुनौती देश के समक्ष है, उसका मुकाबला करने का एकमात्र तरीका जनांदोलन है। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों ने संसदीय लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को आक्रोशित, बेचैन और चिंतित कर दिया है। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा अविश्वसनीय और अकल्पनीय है। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे को लेकर मेरा आंकलन है कि इस चुनाव को हाईजैक कर लिया गया है अर्थात जनादेश का अपहरण कर किया गया है।

जिससे महाराष्ट्र के मतदाताओं सहित सभी का भरोसा संसदीय लोकतंत्र के प्रति डगमगाना लाजिमी है। महाराष्ट्र चुनाव में जो कुछ हुआ वह सब एक ही श्रृंखला की कड़ियां हैं। जिसकी शुरुआत भाजपा ने महा विकास अघाड़ी की सरकार को गिराते समय शुरू की थी। मैं चाहता हूं कि आप उस समय जो कुछ हुआ उसका स्मरण करें। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों को (उनमें से कई महा विकास अघाड़ी की सरकार में मंत्री थे) को डराया, धमकाया, और ब्लैकमेल कर खरीदा गया था। विधायकों को असम ले जाकर होटल में रखा गया और वहां से लाकर महायुति की सरकार बनाई गई। उस समय पांच-पांच खोके (पचास करोड़) देकर खरीद-फरोख्त की गई। उस समय यदि विधायकों की खरीद-फरोख्त पर रोकथाम तथा सरकार गिराने के खिलाफ जनता को साथ लेकर आंदोलन किया गया होता तो सरकार को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा सकता था। महा विकास अघाड़ी की सरकार का जाना और महायुति की सरकार बनना विधायकों की खरीद फरोख्त से संभव हुआ। लेकिन तकनीकी तौर पर इसमें मुख्य भूमिका विधानसभा अध्यक्ष की थी।

महा विकास अघाड़ी के विधायकों को सदन के भीतर और महाराष्ट्र की जनता के साथ विधानसभा के बाहर घेराव करके आंदोलन के माध्यम से सरकार को ठप्प करना संभव था। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट के पास पहुंचा। उस समय यदि देशभर के लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए प्रतिबद्ध

नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट की ओर जनमार्च किया होता तो सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह लंबा वक्त लेकर पार्टी की टूट, विधायकों की खरीद-फरोख्त को जायज ठहराकर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चुनाव चिन्ह छीने थे उस अवैधानिक फैसले को रोका जा सकता था। महायुति की सरकार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रदान की गई वैधानिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाया जा सकता था। उसके बाद 20 नवंबर 24 को महाराष्ट्र के चुनाव हुए। जिसे सरकारी मशीनरी, ईवीएम, फर्जी गारंटीयों के माध्यम से हर विधानसभा क्षेत्र में तमाम उम्मीदवार खड़े कर करोड़ों रुपए खर्च कर माइक्रो मैनेजमेंट से चुनाव जीता गया। 23 नवंबर को चुनाव नतीजा आने के बाद जनादेश का अपहरण कर सरकार बनाने के फैसले को जनता के साथ मिलकर सड़कों पर चुनौती दी जानी चाहिए थी महा विकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन ने इस आशय का कोई संकेत नहीं दिया है। 26 नवंबर के पहले सरकार बन जाएगी। यदि महा विकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के दल इस सरकार को नाजायज मानते हैं तो उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होना चाहिए। महा विकास अघाड़ी के विधायकों को विधानसभा का बहिष्कार करना चाहिए तथा रोज सदन में जाकर चुनाव को रद्द करने जनादेश का अपहरण करने वाली सरकार नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए सदन के बाहर धरना देना चाहिए. महाविकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को विधानसभा के बाहर अनिश्चितकालीन धरना देना चाहिए जब तक महाराष्ट्र चुनाव रद्द कर फिर से चुनाव की घोषणा न हो जाए। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के नेताओं को जिले-जिले का दौरा कर रैलियां करनी चाहिए तथा जिले के रिटर्निंग ऑफीसरों का अनिश्चितकालीन घेराव शुरू करना चाहिए।

इन सब कार्यक्रमों को तय करने के लिए पहले महा विकास अघाड़ी के नेताओं की बैठक हो, जिसमें इन प्रस्तावों पर विचार किया जाए। इसके बाद इंडिया गठबंधन की बैठक कर इस संबंध में निर्णय किया जाएं। मुझे लगता है कि जन आंदोलन के अलावा और कोई तरीका नहीं है जिसके माध्यम से देश में लोकतंत्र बचाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने चुनाव जीतने के लिए जो कुछ महाराष्ट्र में किया उसे उत्तर प्रदेश में तो दोहराया ही, इसके साथ सरकारी मशीनरी (सुरक्षा बलों) का उपयोग कर मतदाताओं को मतदान से रोका गया, इंडिया गठबंधन के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे, पोलिंग एजेंट्स को अंदर नहीं बैठने दिया, बाहर टेबल नहीं लगाने दिए।

जन स्वास्थ्य पर सुपरबग का घातक संकट

राजेश भाटिया

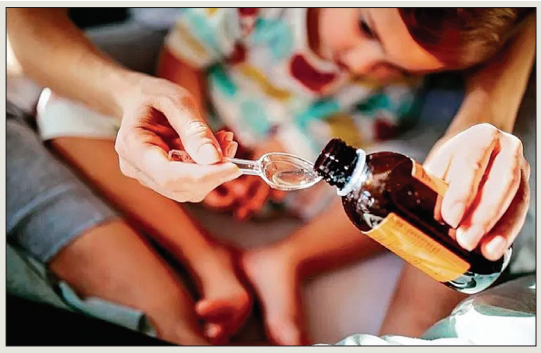

सौ साल से भी कम समय पहले, एंटीबायोटिक्स की खोज ने एक ऐसे युग की शुरुआत की जिसने चिकित्सा की दुनिया को बदल दिया। इसने लाखों लोगों की जान बचाई, जटिल सर्जरी के विकास और उपयोग में तेजी लाई और कैंसर जैसी बीमारियों के बेहतर प्रबंधन में मदद की। सर्वव्यापी जीवाणुओं को नष्ट करने की एंटीबायोटिक्स की क्षमता ने उन्हें 'जादुई गोलियों' की उपाधि दी। दुर्भाग्य से, यह उत्साह लंबे समय तक नहीं टिका। मनुष्यों ने रोगाणुओं की जीवटता और जीवित रहने की चतुराई को कम करके आंका क्योंकि उन्होंने एंटीबायोटिक्स के प्रभाव को बेअसर करने के लिए अपनी खुद की प्रतिरोधकता विकसित कर ली। इसके बूते रोगाणु एंटीबायोटिक्स के असर से बच निकलने के काबिल बन गए, जिसे तकनीकी रूप से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) कहा जाता है।

दरअसल, मानव स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा सेवाओं और कृषि में एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध उपयोग ने कुछ रोगाणुओं की ऐसी जमात बना दी जिस पर एक या कई एंटीबायोटिक्स का कोई असर नहीं हो पा रहा। कुछेक ने तो लगभग सभी किफायती एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है। इन्हें 'सुपरबग्स' के नाम से जाना जाता है। प्रतिरोध विकसित कर चुके रोगाणुओं से होने वाले संक्रमण का इलाज करना मुश्किल होता है, इससे अस्पताल में लंबे समय तक रहना पड़ता है, मृत्यु दर और ग्रुणता बढ़ती है। आर्थिक नुकसान भी होता है। यह चुनौती पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। वैश्विक स्तर पर एएमआर के निहितार्थ बहुत बड़े हैं, जो मानव विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। एएमआर पर बरती निष्क्रियता के चलते अनुमान है कि यदि कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो 2050 तक लगभग 1 करोड़ लोग हर साल एंटीबायोटिक्स के विरुद्ध पनपे प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाली बीमारियों से मर जाएंगे। यह संख्या सड़क दुर्घटनाओं और कैंसर से मरने वालों की कुल संख्या से भी अधिक होगी। इस कालखंड में, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 3.5 प्रतिशत की कमी आएगी। इससे 100 ट्रिलियन डॉलर का सकल वित्तीय नुकसान होने का अनुमान है। पशुधन उत्पादन में 7.5 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा प्रभावित होगी। अतिरिक्त 2.8 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाएंगे और 2050 तक वैश्विक निर्यात में 3.8 प्रतिशत की कमी आएगी। एएमआर का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और विकासशील देशों में यह कहीं अधिक है। वर्ष 2019 में ही प्रतिरोधी रोगाणुओं की वजह से हुई बीमारियों के कारण 12 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। अनुमान है कि वर्ष 2019 में केवल भारत में ही एएमआर के कारण 2,97,000 मौतें हुईं वहीं इससे संबंधित जटिलताओं के चलते 10,42,500 मौतें हुईं। भारत में एएमआर से होने वाली मौतों की संख्या कैंसर, श्वसन-संक्रमण एवं तपेदिक, आंतों के संक्रमण, मधुमेह और गुर्दे की बीमारियों और मातृ एवं नवजात विकारों से होने वाली मौतों से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने माना कि सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति पर इस स्थिति का प्रभाव पड़ेगा।

2016 और 2024 में अपनी उच्च स्तरीय बैठकों के माध्यम से, यूएनजीए ने 2019 को आधार वर्ष मानकर 2030 तक प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाली मृत्यु दर को 10 प्रतिशत तक कम करने के लिए तत्काल, वैश्विक रूप से समन्वित राष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान किया है। आर्थिक सहयोग के लिए अंतर-सरकारी मंचों की हाल की बैठकों, अर्थात जी-20 (भारत, 2023) और जी-7 (इटली, 2024) बैठकों में एएमआर से निपटने के महत्व को दृढ़ता से व्यक्त किया गया है। पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी संक्रमण का उपचार अथवा इसकी रोकथाम के लिए एंटीबायोटिक्स का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। कई बार इनका इस्तेमाल इस लक्ष्य के साथ किया जाता है कि इनके उपयोग से पशु के शरीर का आकार (मांस) बढ़ेगा, जिससे कि ज्यादा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनेक देशों में रोक के बावजूद जागरूकता की कमी और गरीबी के कारण यह भारत में जारी है। पशुओं में एंटीबायोटिक्स का ऐसा अंधाधुंध उपयोग उनके अंदर प्रतिरोधी जीवाणुओं व रोगाणुओं के फैलाव को बढ़ावा देता है। चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर द्वारा हाल ही में चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड से आए दस्त के मरीजों के अध्ययन से पता चला है कि रोग की वजह ऐसे रोगाणु हैं जिन्होंने कई एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ एएमआर विकसित कर ली।

भारत में मांसाहार की लगातार बढ़ती मांग के साथ पशुधन स्वास्थ्य क्षेत्र में एंटीबायोटिक का उपयोग और अधिक होता गया, लिहाजा खाद्य-श्रृंखला के जरिए उनमें बना एएमआर मनुष्यों में स्थानांतरित होता गया। जिससे कि उनके अंदर भी सिप्रोफ्लोसिन, एम्पीसिलीन, टेट्रासाइक्लिन और तीसरी पीढ़ी के सेफ्लोस्पोरिन के खिलाफ उन रोगाणुओं के विरुद्ध उच्च एएमआर बनता देखा जा रहा है। फलत: इलाज मुश्किल हो जाता है। हालांकि, एएमआर की समस्या राजनीतिक, वित्तीय, कार्यक्रम संबंधी, तकनीकी, विनियामक और बहु-क्षेत्रीय रूप से ध्यान खींच रही है, लेकिन इसे रोकने के वैश्विक प्रयासों में जनता की भूमिका भी एक प्रमुख हितधारक के रूप में है। सभी क्षेत्रों के एंटीबायोटिक्स लिखकर देने वाले डॉक्टर और उपयोगकर्ताओं को एएमआर के छिपे खतरे को समझना चाहिए। किफायती एंटीबायोटिक दवाओं के अभाव में, एक छोटी-सी चोट भी घातक हो सकती है।

पाचन

अच्छा रखने के लिए करें ये काम

नवम्बर का महीना शुरूहो गया है। इसके साथ ही ठंडक का भी आगमन हो गया है। इस मौसम में लोग मिठाइयों और लजीज खान-पान को ज्यादा पसंद करते हैं। हालांकि मीठे, तले हुए और मसालेदार खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र में गड़बड़ी और कई प्रकार की अन्य दिक्कतों को बढ़ाने वाले माने जाते हैं। इस मौसम के दौरान खाने में बदलाव और अधिक तले-भुने या मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन से पेट में गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। अगर आप भी इस तरह की दिक्कतों से परेशान हैं तो घबराएं नहीं, कुछ आसान से उपायों की मदद से इसमें आराम पाया जा सकता है। मसालेदार भोजन करने के बाद लोग इस तरह की स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत करते हैं, जिसमें पेट फूलने, अपच, पेट में दर्द जैसी समस्याएं आम हैं।

दिनभर में 3-4 लीटर पीएं पानी

पाचन की दिक्कतों के लिए डिहाइड्रेशन को एक बड़ा कारण माना जाता रहा है। इसलिए जरूरी है कि आप दिनभर में कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पिएं। गर्म या गुनगुना पानी पीना आपके लिए और भी लाभकारी हो सकता है। दिन में कई बार थोड़ा-थोड़ा गुनगुना पानी पिएं। यह पाचन में सुधार करता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पिएं। पेट को साफ करने और पाचन क्रिया को बढ़ावा देने में ये बहुत फायदेमंद माना जाता है।

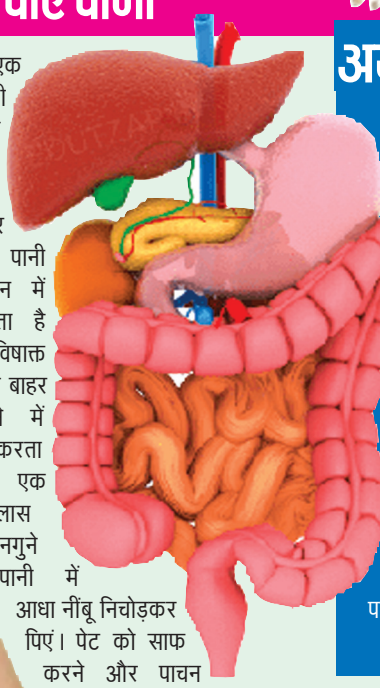

अजवायन का सेवन

पाचन की दिक्कतों में आराम पाने के लिए अजवायन का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से अपच और गैस की समस्याओं में आराम मिलता है। इसी तरह से अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की सूजन और अपच को कम करने में सहायक होते हैं। खाने के बाद सौफ और मिश्री चबाना पाचन के लिए फायदेमंद होता है। इन उपायों के साथ खाने के बाद कुछ देर वॉक जरूर करना चाहिए। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से पाचन की दिक्कतें दूर होती है और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

खानपान में गड़बड़ी का असर

इस मौसम में अपनी सेहत को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। अगर आप पाचन समस्याओं को लेकर परेशान हैं तो खाने-पीने की आदतों को ध्यान में रखकर, संतुलित आहार का सेवन, शरीर को हाइड्रेटेड रखना और स्वस्थ जीवनशैली के विकल्पों को अपनाना अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। क्योंकि अच्छी सेहत का राज पेट में छुपा है। अगर आपका पाचन दुरुस्त रहेगा तो आपकी ओवर ऑल हेल्थ भी दुरुस्त रहेगी। अक्सर लोग भरपेट खाना खा लेते हैं लेकिन खाना खाने के बाद बेहद परेशान रहते हैं। किसी को खट्टी डकारें परेशान करती हैं तो किसी को गैस,एसिडिटी से उठना-बैठना तक दूभर हो जाता है।

हल्का और सुपाच्य भोजन करें

पाचन खराब होने के बाद एक-दो दिन हल्का और सुपाच्य भोजन करें। दलिया, मूंग दाल खिचड़ी, उबली हुई सब्जियां या सूप जैसी चीजें पचाने में आसान होती हैं और पेट को आराम देती हैं। आहार में दही और छाछ को जरूर शामिल करें। इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो गुड बैक्टीरिया का संतुलन बनाए रखते हैं और पाचन को बेहतर करते हैं। एक कटोरी दही खाने से अपच में आराम मिल सकता है। बता दें कि भारत के सभी राज्यों में भारतीय थाली के अपने-अपने वेरिएंट हैं। हालांकि, उनमें से प्रत्येक पोषक तत्वों और भोजन के संतुलित हिस्से के साथ एक प्रदान करते हैं। एक सामान्य थाली में आमतौर पर दाल, चपाती, चावल, सब्जियां, दही, पुदीना, चटनी, छाछ/चाय और अचार होता है। ये व्यंजन प्रोटीन, विटामिन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

हंसना मना है

बेटा- पिता जी, आप बहुत किस्मत वाले हैं? पिता जी- वो कैसे बेटा? बेटा- क्योंकि मैं फेल हो गया हूं, आपको मेरे लिए नई किताबें नहीं खरीदनी पड़ेंगी।

एक बार टिल्लू डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर - कौन सा ग्रूप है आपका? संता-जी नादान परिंदे। डॉक्टर - ब्लड ग्रूप पूछ रहा हूं, व्हाटसएप के कीड़े!

संता जब भी कपड़े धोता, तब ही बारिश हो जाती। एक दिन धूप निकली तो वो खुश हुआ और दुकान पे सर्फ लेने गया। वो जैसे ही दुकान पर गया बादल जोर-जोर से गरजने लगे। संता फटाफट आसमान की तरफ मुंह करके बोला... क्या? किधर? मैं तो बिस्कुट लेने आया था।

पति बाल्कनी में खड़ा-खड़ा मस्ती से गा रहा था। पंछी बनूं उड़ता फिरुं मस्त गगन में.. आज मैं आज़ाद हूं दुनिया के चमन में..रसोई में से बीवी की आवाज आई, घर में ही उड़ो, सामने वाली मायके गई है...

बैंक के बाहर भीड़ लगी थी। एक आदमी बार-बार आगे जाने की कोशिश करता और लोग उसे पकड़ कर पीछे खींच लेते। 5-6 बार पीछे खींचे जाने के बाद वह चिल्लाया - 'लगे रहो लाइन में, मैं आज बैंक ही नहीं खोलूंगा!

कहानी | मेंढक और चूहा

एक जंगल में एक जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहता था। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' चूहे ने जवाब दिया कि अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। मेंढक ने चूहे से कहा कि दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरे की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा कि हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' मेंढक बोला कि एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब देख रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

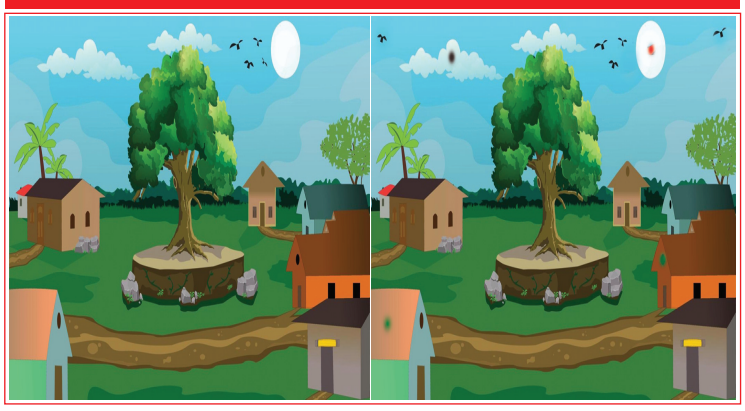

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

वृषभ निवेश शुभ रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

तुला व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। शत्रुओं की पराजय होगी।

वृश्चिक कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी।

धनु उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। झंझटों से दूर रहें।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है।

कुम्भ वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा।

मीन संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने किसी भी प्रकार की फीस नहीं बढ़ाई है : राजकुमार राव

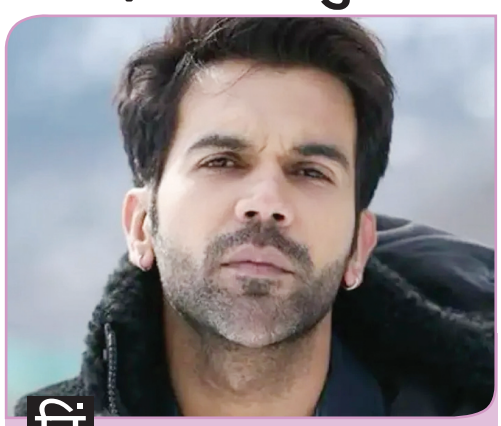

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकारों के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें अब राजकुमार राव का नाम भी शामिल होता है। इस साल निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक अमर कौशिक की हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के जरिए फैंस का भरपूर मनोरंजन करने वाले राजकुमार का नाम बीते दिनों से इस वजह से चर्चा में बना हुआ है कि इस फिल्म की बंपर सक्सेस के बाद उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी है। अब इस मामले पर राजकुमार राव ने खुद चुप्पी तोड़ी है और पूरी सच्चाई को बताया है। जब भी कोई एक्टर अपने करियर के पीक पर होता और लगातार हिट्स दे रहा होता है तो ये चर्चा होना लाजिमी होता है कि शायद उसने अपनी फीस को बढ़ा दिया है। फिलहाल राजकुमार राव भी कुछ ऐसी ही खबरों को लेकर लाइमलाइट में बने हुए हैं। इस मामले में बिना देरी करते हुए एक्टर ने सफाई दी है और बताया है कि उन्होंने अपनी फीस में कोई भी बढ़ोत्तरी नहीं की है।

राजकुमार ने इस मामले पर खुलकर बात की है और कहा है- फीस एक अलग चीज है, जो फिल्म से बढ़कर नहीं हो सकती। ऐसा जरूरी तो नहीं कि किसी फिल्म की सफलता के बाद आप तुरंत अपनी फीस को बढ़ा दें। राजकुमार राव ने ये साफ कर दिया है कि उन्होंने किसी भी प्रकार से अपनी फीस को नहीं बढ़ाया है और जो भी मीडिया रिपोर्ट्स चल रही हैं, वो सब महज अफवाह हैं। साल 2024 पूरी तरह से एक सफल अभिनेता के तौर पर राजकुमार राव के नाम रहा है। इस साल उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्म दी है, जिनमें श्रीकांत, मिस्टर एंड मिसेज माही, स्त्री-2 और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का नाम शामिल है। इस आधार पर ये साल राजकुमार के लिए बेहद लकी साबित हुआ है और थिएटर्स में दर्शकों ने उनकी मूवीज को खूब सराहा है।

वीकेंड पर फुल स्पीड से दौड़ी भूलभुलैया-3

कार्तिक आर्यन ने एक बार फिर से निर्देशक अनीस बज्मी के साथ मिलकर भूल भुलैया-3 के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। रिलीज के तीन सप्ताह बाद भी ये हॉरर कॉमेडी मूवी बड़े पर्दे पर जारी है और बॉक्स ऑफिस पर भी अपना दबदबा कायम किए हुए हैं। पिछले सप्ताह वीक डे में बेशक भूल भुलैया 3 की कमाई की रफ्तार स्लो हुई थी।

लेकिन वीकेंड पर एक बार फिर से इसमें तेजी आ गई है और रिलीज के 24वें दिन इस मूवी ने धमाकेदार कारोबार कर डाला है। आइए जानते हैं कि चौथे रविवार को भूल भुलैया 3 ने कितने करोड़ की कमाई कर ली है।

दीवाली के फेस्टिव सीजन में थिएटर्स रिलीज का भूल भुलैया 3 ने भरपूर फायदा उठाया था और ओपनिंग वीकेंड पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। कार्तिक आर्यन के करियर में ऐसा पहली बार हुआ था कि जब उनकी किसी मूवी ने रिलीज के पहले तीन दिन में 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ली थी। लेकिन अब रिलीज के 24 दिन बाद भी भूल भुलैया 3 हार मानने को तैयार नहीं है। कॉमेडी फिल्म के तौर पर अब भी कार्तिक आर्यन स्टारर मूवी सिनेमाघरों जारी है और ऑडियंस का दिल जीत रही है। रिलीज के तीन सप्ताह भी इस मूवी का क्रेज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। जिसका साफ असर भूल भुलैया 3 के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर देखने को मिल रहा है।

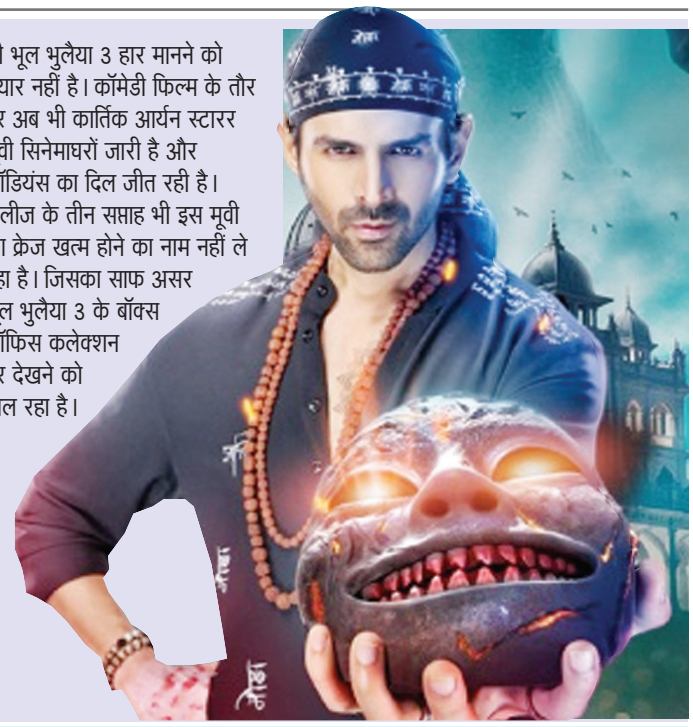

रिद्धिमा कपूर ने भाई रणबीर की फिल्म एनिमल की सराहना की

रणबीर कपूर और उनकी बहन रिद्धिमा कपूर के बीच काफी मजबूत रिश्ता है। दोनों भाई-बहन अकसर एक-दूसरे को काफी सपोर्ट करते हैं। एक्टर के तौर पर भी रिद्धिमा रणबीर का काम पसंद करती हैं। हाल ही में उन्होंने रणबीर की फिल्म एनिमल को लेकर ऐसा कुछ कहा कि दर्शक भी हैरान रह जाएंगे।

हाल ही में एक इंटरव्यू में रिद्धिमा से सवाल किया गया कि एनिमल और पुष्पा फिल्मों के बारे में वह क्या सोचती हैं। इस पर रिद्धिमा ने कहा कि अगर उनके दादा राजकपूर जीवित होते तो बेहतर सिनेमा का निर्माण करते। रिद्धिमा यह भी कहती हैं कि दर्शकों का एक वर्ग है जो एनिमल और पुष्पा जैसी फिल्में देखना पसंद करता है।

रिद्धिमा फिल्मों के बारे में इतना कुछ जानती समझती हैं। इसका कारण है कि उनकी फिल्मों में गहरी रुचि है। दरअसल, बचपन में वह भी अभिनय करने की ख्वाहिश रखती थी। अपने पिता ऋषि कपूर के कारण वह ऐसा नहीं कर पाई क्योंकि उनके पिता को रिद्धिमा का फिल्मों में जाना पसंद नहीं था। ऐसे में रिद्धिमा ने अपना सपना पूरा नहीं किया और वह फैशन डिजाइनर बन गईं।

रिद्धिमा फिल्मों में काम नहीं कर पाई, लेकिन हाल ही में वह एक रियालिटी शो फैबुलस लाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स में नजर आईं। इसमें उनकी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया। अगर इस शो का अगला सीजन आता है तो रिद्धिमा चाहती हैं कि इसमें उनके और परिवार की बॉन्डिंग को दिखाया जाए। वह किस तरह से अपना ख्याल रखती हैं और जीवन को लेकर क्या नजरिया है, यह सब चीजें भी अगले सीजन में दिखाई जाएं। इस रियालिटी शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार्स की कुछ वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट शालिनी पासी भी नजर आईं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | इस पेड़ को लोग मानते हैं चमत्कारी

600 साल पुराने मंदिर पर है बिना जड़ का पेड़

आपने हमेशा सुना होगा कि पेड़-पौधे अपना भोजन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया से बनाते हैं। इसके लिए पौधों को सूर्य प्रकाश, कार्बन-डाई-ऑक्साइड के साथ जमीन से जल और खनिज लवण लेना होता है। लेकिन, अगर किसी पेड़ की जड़ ही न हो तो वह प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया कैसे पूरी करेगा। बालाघाट में एक पेड़ ऐसा है, जिसकी जड़ों का पता ही नहीं। लोग इस पेड़ को चमत्कारी मानते हैं। यह पेड़ बालाघाट के कटंगी शहर से लगभग 5 किलोमीटर दूर जाम में है। यह पेड़ सैंकड़ों साल पुराने शिव मंदिर के ऊपर उगा है।

गांव जाम के स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां जो मंदिर है, वह 600 साल पुराना है। दावा भी करते हैं कि इस मंदिर की उत्पत्ति रातो-रात हुई थी। मंदिर के साथ दो और मंदिर की भी उत्पत्ति हुई है। 600 साल पुराने मंदिर की छत पर एक पेड़ सालों से उगा हुआ है। खास बात यह कि इस पेड़ की जड़ कहां है, इसका पता नहीं। ऐसे में यह पेड़ यहां आने वाले भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता है। ग्रामीण बताते हैं कि इस पेड़ पर शोध करने के लिए बॉटनी के कई प्रोफेसर और जानकार आए, लेकिन इस पेड़ की प्रजाति का पता नहीं लगा पाए। साथ ही इसकी जड़ें कहां हैं, यह भी एक रहस्य है। यह पेड़ ठंड के बाद सूखने लगता है। वहीं, गर्मी के मौसम में सूख कर खत्म होने की कगार पर आ जाता है। लेकिन, जैसे ही बारिश शुरू होती है। पेड़ हरा-भरा हो जाता है। ग्रामीण कई बार इस पेड़ की कलम को जमीन में लगाकर उगाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन उससे पौधा नहीं उगा। लोगों का मानना है कि इस पेड़ में दैवीय शक्ति है।

लोगों का दावा है कि यहां कितना ही भयंकर आंधी-तूफान आता हो लेकिन, इस पेड़ को कुछ नहीं हुआ। यह पेड़ जस का तस बना हुआ है। वहीं, गांव के दूसरे पेड़ आंधी में गिर जाते हैं, लेकिन इसकी डाल तक नहीं गिरती।

जाम के इस प्राचीन शिव मंदिर और रहस्यमयी पेड़ को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। खासतौर से सावन में यहां भक्तों की भीड़ लगती है। वहीं, महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिर में भक्तों का तांता रहता है। इस मंदिर को देखने के लिए बालाघाट के अलावा आसपास के जिलों के भक्त और महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के लोग दर्शन के लिए आते हैं।

दो बार मरे और फिर जिंदा लौटे! इस पूर्व ब्रिटिश सांसद की रहस्यमय कहानी

जॉन स्टोनहाउस, ब्रिटेन के पूर्व सांसद, इतिहास में अपनी राजनीति के साथ-साथ अपने जटिल निजी जीवन के लिए भी याद किए जाते हैं। ये वही इंसान हैं जिन्होंने अपनी मौत का नाटक किया और वो भी दो बार! पहली घटना पूरी तरह धोखा थी। यह घटना 20 नवंबर, 1974 को हुई जब स्टोनहाउस के कपड़े मियामी बीच पर एक ढेर में मिले। सबने सोचा कि यह ब्रिटिश नेता समुद्र में डूब गए। लेकिन यह गलत साबित हुआ जब उन्हें सिर्फ एक महीने बाद, क्रिसमस ईव पर ऑस्ट्रेलिया में पकड़ लिया गया।

स्टोनहाउस उस समय कई परेशानियों से गुजर रहे थे, जब वे बिजनेस ट्रिप के बहाने मियामी गए। यहां तक कि उनके परिवार को भी उनकी गायब होने की योजना का कोई अंदाजा नहीं था। 1960 के दशक के अंत में स्टोनहाउस को एक उभरते नेता के रूप में देखा जाता था और 43 साल की उम्र में वे पोस्टमास्टर जनरल बने, लेकिन 1974 तक उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उनकी राजनीतिक छवि पर सवाल उठने लगे और बिजनेस डील्स में नुकसान के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। 1969 में स्टोनहाउस पर आरोप लगा कि वे कम्युनिस्ट चेकोस्लोवाकिया के लिए जासूसी कर रहे हैं। इसके अलावा, उनका अपनी सेक्रेटरी शीला बकले के साथ अफेयर भी था। उनकी पार्टी लेबर पार्टी ने 1970 के आम चुनाव में हार का सामना किया। मियामी जाने से पहले स्टोनहाउस ने दो मृत व्यक्तियों की पहचान चुराई। उन्होंने पहले जोसफ आर्थर मार्कहम के नाम पर पासपोर्ट बनवाया, जो हाल ही में वॉलसाल में मरा था। बाद में उन्होंने डोनाल्ड काइव मिलडून नाम की नई पहचान बनाई, जो उसी क्षेत्र में मरा था। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी नई जिंदगी के खर्चे पूरे करने के लिए कई बैंक अकाउंट्स में बड़ी रकम ट्रांसफर की।

जब मियामी में स्टोनहाउस के कपड़े मिले, तो उनकी पत्नी बारबरा ने इसे एक दुखद दुर्घटना माना। उन्होंने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि यह डूबने की दुर्घटना थी। हमारे पास जो भी सबूत हैं, वे यही इशारा करते हैं। हालांकि, क्रिसमस ईव पर मेलबर्न पुलिस मुख्यालय में स्टोनहाउस ने अपनी असली पहचान कबूल की। उन्होंने वहीं से अपनी पत्नी को फोन कर कहा, तुम्हें अब समझ में आ गया होगा कि मैं तुम्हें धोखा दे रहा था। मुझे इसके लिए खेद है, लेकिन एक तरह से मैं खुश हूं कि सब कुछ खत्म हो गया। बता दें कि स्टोनहाउस ने अपनी पत्नी बारबरा से 1978 में तलाक ले लिया और तीन साल बाद अपनी पूर्व सेक्रेटरी शीला बकले से शादी कर ली। 1988 में, स्टोनहाउस ने अपनी आखिरी सांस ली, ठीक उसी समय जब वे लापता लोगों पर आधारित एक टीवी शो में अपनी कहानी बताने वाले थे।

डीयू में खुली मोहब्बत की दुकान

शानदार तरीके से जीती एनएसयूआई

» 10 वर्षों से अध्यक्ष पद पर काबिज एबीवीपी को एनएसयूआई ने हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। विश्वविद्यालय छात्र संघ में लंबे समय बाद अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने पर कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के भीतर खुशी और उत्साह का माहौल है। एनएसयूआई का कहना है कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने के लिए लड़ाई लड़ी और जीती है। एनएसयूआई ने डूसू छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए रौनक खत्री को अपना उम्मीदवार बनाया था। उपाध्यक्ष पद पर यश नांदल एनएसयूआई के उम्मीदवार थे।

एनएसयूआई ने सचिव पद पर नम्रता जेफ को मैदान में उतारा था और संयुक्त सचिव के लिए लोकेश चौधरी उम्मीदवार थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने चुनाव में अध्यक्ष पद पर ऋषभ चौधरी, उपाध्यक्ष पद पर भानु प्रताप सिंह, सचिव पद पर मित्रविंदा कर्णवाल व सह-सचिव पद के लिए अमन कपासिया को अपना उम्मीदवार बनाया था। अध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के रौनक खत्री ने जीत दर्ज की है। रौनक खत्री को कुल 20,207 वोट हासिल हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी एवं विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवार ऋषभ चौधरी को 18,868 ही वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर विद्यार्थी परिषद के भानु प्रताप विजयी रहे। उन्हें 24,166 वोट मिले। सचिव पद पर विद्यार्थी परिषद की उम्मीदवार मित्रवृंदा को जीत मिली। उनको 16,703 वोट मिले। वहीं संयुक्त सचिव पद पर एनएसयूआई के लोकेश चौधरी ने जीत हासिल की। लोकेश चौधरी को 21,975 वोट मिले।एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा, इस चुनाव में हमने संविधान की रक्षा, महिलाओं की सुरक्षा, हिंसा मुक्त कैंपस और विवि में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने के लिए लड़ाई लड़ी। मुझे गर्व है कि हमने दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मोहब्बत की दुकान' खोल दी है, जो प्यार, एकता और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

दिल्ली में बदलाव की कहानी शुरू : देवेंद्र यादव

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कांग्रेस के छात्र संगठन द्वारा अध्यक्ष व सह सचिव पद जीते जाने पर कहा कि दिल्ली में बदलाव की कहानी की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद जीते रौनक खत्री और सह सचिव पद पर विजयी लोकेश चौधरी को बधाई दी। देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से छात्र संघ के अध्यक्ष पर काबिज एबीवीपी को हराकर एनएसयूआई के रौनक खत्री डूसू के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। सह सचिव पद पर लोकेश चौधरी ने अपना सिक्का जमा कर बता दिया है कि युवा वर्ग दिल्ली कांग्रेस की जान और पहचान है। यादव ने कहा कि दिल्ली एनएसयूआई की डूसू चुनावों में यह जीत कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

प्रियंका गांधी ने दी बधाई

प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने शानदार प्रदर्शन किया है। अध्यक्ष पद पर रौनक खत्री और संयुक्त सचिव पद पर लोकेश चौधरी ने जीत हासिल की है। आप दोनों समेत संगठन के सभी साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

नाम बदलने से विकास नहीं होगा : टीकाराम

» भाजपा पर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अजमेर। अजमेर शहर की समस्याओं को लेकर नगर निगम में कांग्रेसी पार्षद और कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक धरना दिया। नगर निगम की ओर से शहर में हो रहे अवैध निर्माण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन भी किया। धरने में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी पहुंचे, जूली ने कहा कि नगर निगम को नरक निगम बना दिया गया है। ट्रिपल इंजन की सरकार यहां पर चल रही है। बड़े-बड़े मंत्री यहां से हैं। विधानसभा अध्यक्ष यहां से हैं। इन सबके बावजूद भी पार्षदों को धरना देना पड़ रहा है। कुछ नेताओं की शह पर अतिक्रमण हो रहे हैं। अभी तक आप पिछली सरकार के कामों की समीक्षा करने में लगे हो जिलों की समीक्षा कराएंगे।

कॉलेज की समीक्षा कराएंगे, इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा कराएंगे। जूली ने पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, स्कॉलरशिप, महिलाओं को अन्नपूर्णा किट मिल रहे थे वो डीजीएस किसान को खाद दीजिए। जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सबसे बड़ा काम है नाम बदलना। राजीव गांधी सेवा केंद्रों का नाम बदलकर इन्होंने अटल सेवा केंद्र कर दिए। फिर कोर्ट में गए, आदेश हुए फिर वापस नाम चेंज हो गया। इसी तरह अलग-अलग शहरों के नाम, योजनाओं के नाम, अजमेर में तो लगातार जारी हैं। अजमेर ही नहीं सभी जगह कलर करने का काम, हॉस्पिटल का नाम आरोग्य मंदिर कर दिया। 250 रुपये में पेंट का डब्बा लिए और उस पर पेंट पुतवा कर नाम बदल दिया। जूली ने कहा कि इसमें आपने सुविधाएं क्या बढ़ाईं? आप कोई नई स्कीम चलाइए।

अवध महोत्सव में जुट रही है भीड़

» आयोजन समिति के अध्यक्ष ने लोगों को दिया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव में संडे हो या मंडे लखनऊ की जनता का आना बदस्तूर जारी है। आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने जनता का आभार व्यक्त किया। अवधपुर महोत्सव में प्रतिदिन दिन में कवि सम्मेलन, मुशायरा और कव्वाली से मंच सजा होता है शाम को सांस्कृतिक संध्या में एक से बढ़कर एक कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति से आई हुई सम्मानित जनता को खूब मनोरंजन करती है।

आज की सांस्कृतिक संध्या में गिरिराज एवं साथी कलाकारों ने भजनों और गजलों की ऐसी महफिल जमयी पूरा माहौल भक्तिमय और गजलों की दुनिया में डूब गया

प्रस्तुति देने वाले कलाकार दिनेश श्रीवास्तव, अवधेश, अरुना उपाध्याय, मनोज, सुधीर और चिंतामणि। प्रीति लाल का विशेष सहयोग रहा। अवध महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या के अगले चरण में अंबालिका नवयुग डांस ग्रुप से काजल, रिया, तनुई, सौम्या, आलिया और पूनम ने जबरदस्त प्रस्तुतियां दीं। सुभद्रा नृत्य संस्थान से कोरियोग्राफर हुमा साहू के अंतर्गत राम वंदना, रास और सरगम प्रस्तुत किया गया।

दिल्ली में डबल इंजन सरकार से ज्यादा नुकसान

» केजरीवाल बोले- दिल्ली के सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा पर निशाना साधते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार में बुजुर्गों को सिर्फ 500-1000 रुपये पेंशन दी जा रही है। आप की सिंगल इंजन सरकार में दिल्ली में बुजुर्गों को 2500 रुपये दी जाएगी। भाजपा की डबल इंजन सरकार से नुकसान ज्यादा हैं। दिल्ली के लोगों के लिए आप का इंजन ही सही है। उधर दिल्ली सरकार ने चुनाव से पहले हजारों बुजुर्गों को बड़ा तोहफा दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजन अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के लाखों बुजुर्गों को पेंशन मिलेगी।

आज दिल्ली सरकार की और से दिल्ली में 80,000 वृद्धा पेंशन खोली जा रही है। दिल्ली में बुजुर्गों की पेंशन हमने फिर से शुरू करा दी है। अब सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएंगे। दिल्ली में बुजुर्गों की पेंशन हमने फिर से शुरू करा दी है। अब सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएँगे। एक्स पर पोस्ट करते हुए आम आदमी पार्टी ने लिखा कि बुजुर्गों को उनके बेटे अरविंद केजरीवाल ने तोहफा दिया है। अब दिल्ली के पांच लाख 30 हजार से ज्यादा बुजुर्गों को 2500 रुपये तक की पेंशन मिलेगी।

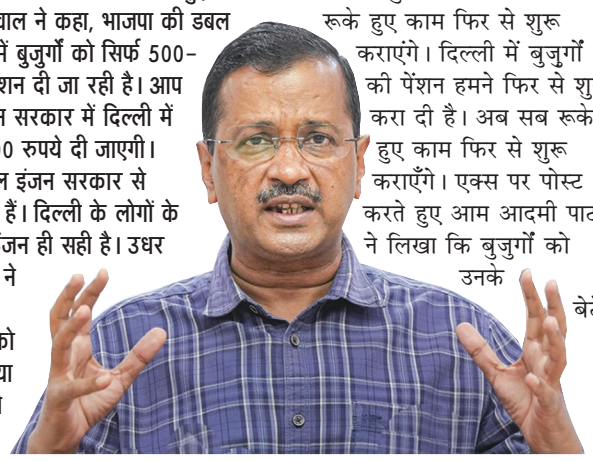

किसानों को आखिर क्यों रोका जा रहा है : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों के दिल्ली कूच के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा है कि किसानों को दिल्ली जाने से क्यों रोका जा रहा है। राजधानी आने का पूरा अधिकार है। धरने के लिए उनको जगह दी जानी चाहिए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद उनके साथ बैठक कर उनके मसले हल करें। मान ने कटाक्ष करते कहा कि प्रधानमंत्री यूक्रेन-रूस युद्ध रुकवाने का दावा करते हैं तो किसानों के मसले हल क्यों नहीं करवा सकते।

क्रुणाल और सुंदर पर हुई नोटों की बारिश

» 1.1 करोड़ रुपये में बिके 13 साल के वैभव सूर्यवंशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जेद्दाह। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के दूसरे दिन 490 खिलाड़ी नीलामी में उतरे। जिसमें क्रूणाल पांड्या और वाशिंगटन सुंदर पर नोटों की वर्षा हुई। दोनों को क्रमशः 5.75 और 3.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया। पिछले संस्करण में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे पांड्या अब रॉयल चैलेंजर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। उन्हें फ्रेंचाइजी ने राजस्थान रॉयल्स से लड़कर अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं, गुजरात टाइटंस के लिए खेलने वाले सुंदर अब गुजरात के हो गए हैं।

दो करोड़ के आधार मूल्य वाले इस खिलाड़ी के लिए लखनऊ और गुजरात के बीच लड़ाई देखने को मिली। उनके अलावा अब तक रायन रिक्लेटोन, सैम करन, मार्को येनसेन, नीतीश राणा, रोवमैन पॉवेल और फाफ डुप्लेसिस पर पैसों की बरसात हुई है। आईपीएल नीलामी में 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। इस खिलाड़ी का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर बिके। वह आईपीएल नीलामी इतिहास में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। बिहार के वैभव ने सिर्फ 13 साल और 242 दिनों की उम्र में आईपीएल नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया।

भारत वापस लौटेंगे कोच गौतम गंभीर

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपातकाल के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही ऑस्ट्रेलिया से वापस आएंगे। हालांकि, वह दूसरे टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया लौट जाएंगे। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाना है, जो कि एक डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भारत की ऐतिहासिक जीत के दौरान गंभीर ने अहम भूमिका निभाई थी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर भारतीय टीम को जीत दिलाई। वहीं रोहित शर्मा और शुभमन गिल की दूसरे टेस्ट में वापसी हो सकती है। इससे टीम मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम इंडिया को मैच जीतने के बावजूद प्लेइंग-11 में बदलाव करना पड़ सकता है।

विचारों की रक्षा के लिए सभी आएं साथ : खरगे

» कांग्रेस ने किया भाजपा पर प्रहार, संविधान को नष्ट करने वाले हो रहे हावी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नागरिकों से संविधान के मूल्यों की रक्षा करने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि भारत के निहित दर्शन की रक्षा के संघर्ष को इसे अपनाए जाने के 75वें वर्ष में फिर से सशक्त और पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, विपक्षी दल ने भाजपा पर भी निशाना साधा। कहा कि ऐसे समय में जब संविधान को नष्ट करने वाले इसके प्रति निष्ठाहीन प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं। तब इसकी रक्षा करना और इसके सच्चे मूल्यों के लिए लड़ना हमारा कर्तव्य और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। संविधान में व्यक्त प्रत्येक विचार की रक्षा के लिए सभी को एक साथ आना चाहिए।

संविधान अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ पर बोले कांग्रेस अध्यक्ष

संविधान भारत की आत्मा और हजारों साल का इतिहास : वेणुगोपाल

कांग्रेस के संगठन के प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भारत आज 75वां संविधान दिवस मना रहा है। संविधान भारत की आत्मा और हजारों साल का इतिहास है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों को उम्मीद देने वाला एक जीवंत दस्तावेज संविधान ही है जो भारत में न्याय, समानता, समावेशिता और लोकतंत्र के आदर्शों को जीवित रखता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करें कि पंडित नेहरू, डॉ. आंबेडकर, सरदार पटेल, सरोजिनी नायडू, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, राजकुमारी अमृत कौर के प्रयासों और दृष्टिकोण के कारण जो संविधान तैयार हुआ और जिसमें विभिन्न रूपों में गांधीवादी सिद्धांत हैं, वह सार्वजनिक जीवन में लोगों के लिए एकमात्र मार्गदर्शक है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के लोगों को संविधान में व्यक्त किए गए प्रत्येक विचार की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने एक्स पर कहा, संविधान को अपनाए जाने का 75वां वर्ष आज से शुरू हो गया है। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, हमारे पूर्वजों द्वारा बड़ी मेहनत और सावधानी से तैयार किया गया संविधान हमारे देश की जीवनरेखा है। यह हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी देता है। यह भारत को एक संप्रभु समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व केवल आदर्श या विचार नहीं हैं, वे 140 करोड़ भारतीयों के लिए जीवन का तरीका हैं। आज हम संविधान सभा और उसके सदस्यों के जबरदस्त योगदान को याद करते हैं। हम उनकी दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के सदैव ऋणी रहेंगे। खरगे ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ राजेंद्र प्रसाद, सरोजिनी नायडू, अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर, राजकुमारी अमृत कौर और कई प्रतिष्ठित हस्तियां न केवल सम्मानित राष्ट्रीय प्रतीक थे।

भारत की ताकत है हमारा संविधान : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में लोकतंत्र की ताकत उसका संविधान है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का मंत्र देता है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान को अपनाया था और यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। शाह ने संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारत पूरे उत्साह से संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर जी सहित संविधान के सभी शिल्पियों के योगदान को चिरस्मरणीय बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी ने 'संविधान दिवस' मनाने की शुरुआत की। शाह ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश के लोकतंत्र की शक्ति हमारा संविधान ही है, जो हर व्यक्ति के लिए न्याय और समान अधिकार सुनिश्चित कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का मंत्र देता है।'' उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने के लिए मात्र एक पुस्तक नहीं, बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुं जी है। शाह ने कहा, ''आइए! इस संविधान दिवस पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लें।'

मुस्लिमों के हक को कमजोर बनाते हैं बदलाव : बीजद

» वक्फ संशोधन पर बढ़ा विपक्ष का विरोध, बीजेडी ने भी गिनाई खामियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर नवीन पटनाक की पार्टी बीजद केंद्र सरकार से अलग राह पर है। उनका आरोप है कि विधेयक लाने से पहले मुस्लिमों से इस बारे में विचार-विमर्श नहीं किया गया। पार्टी ने विधेयक वापस लेने की मांग करते हुए 24 नवंबर को ओडिशा में एक रैली भी निकाली, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने विधेयक वापस लेने की मांग में नारे लगाए. उनका दावा है कि इससे (विधेयक से) समुदाय के बीच सद्भाव प्रभावित होगा। बीजद की ओर से यह मांग ऐसे समय पर उठाई गई है, जब वक्फ संशोधन वियधक के लिए बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी में शामिल विपक्षी सदस्य विधेयक पर विचार-विमर्श के लिए और समय की मांग कर रहे थे।

लोक सभा स्पीकर ने जेपीसी कमेटी का कार्यकाल पूरे शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तक कर दिया है। हालांकि शीतकालीन सत्र में जेपीसी की रिपोर्ट पेश की जानी है, उधर, जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि रिपोर्ट तैयार है, बीजद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने राजभवन के पास रविवार को रैली का आयोजन किया था। प्रदर्शनकारियों ने खुर्दा के जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें उन्होंने कुछ सुझाव दिए और वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में कहा गया है, हम आग्रह करते हैं कि इस प्रस्तावित विधेयक को वापस लिया जाए और संसद में कोई भी संशोधन पेश किए जाने से पहले हितधारकों के साथ उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए व्यापक परामर्श किया जाए। हम अपने राष्ट्र के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं, इस मामले में न्याय और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आपके कार्यालय पर भरोसा करते हैं।

फोटो :4 पीएम

परीक्षण अलीगंज स्थित आईटीआई परिसर में इजराइल भेजे जाने वाले श्रमिकों का कौशल परीक्षण किया गया। इससे पहले अपनी बारी का इंतजार करते श्रमिक।

पांच साल बढ़ा उग्रवादी संगठन उल्फा पर बैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर पांच साल के लिए नया प्रतिबंध जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह समूह 2019-24 के दौरान विस्फोटक लगाने के 16 मामलों में शामिल रहा है और पूरे असम में स्वतंत्रता दिवस, 2024 से पहले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल किया है।

केंद्र ने अब तक केंद्र, राज्य और असम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही समूहों के बीच 12 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि उल्फा के वार्ता विरोधी गुट, जिसे उल्फा के नाम से भी जाना जाता है शांति प्रक्रिया के लिए मायावी बना हुआ है। यह संगठन पूर्वोत्तर का एकमात्र प्रमुख संगठन है जो सरकार के साथ शांति वार्ता से बाहर है।

फोटो :4 पीएम

वर्षगांठ लोक भवन में संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री ने इस दौरान बाबा साहब भीमराव आंबेडकर व भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। मुख्यमंत्री ने इस दिवस की लोगों को बधाई भी दी।

ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से नहीं होगा मतदान

» सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में चुनावों के दौरान ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, जब चंद्रबाबू नायडू या रेड्डी हारते हैं तो वो कहते हैं कि ईवीएम में छेड़छाड़ की गई है लेकिन जब वो जीतते हैं तो वो कुछ नहीं कहते हैं, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो याचिका को खारिज कर रहा है।

याचिकाकर्ता ने कहा, हाल ही में हुए चुनावों में मैंने माफिया को देखा है मैंने स्वामी द्वारा दायर जनहित याचिका में सबूत देखे हैं कि विधायक अंदर गए और ईवीएम को तोड़ दिया। 180 देश और दुनिया के सभी लोकतंत्र एक बार ईवीएम का उपयोग कर चुके हैं, एलन मस्क ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है, याचिका में अन्य प्रार्थनाओं में उन उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराना शामिल है, जिन्होंने चुनावों में भ्रष्टाचार किया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।